SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Loom Supervisor (Knotted Carpet)

लूम सुपरवाइजर (नॉटेड कारपेट) हाथ से गाँठ बाँधकर बुनी जाने वाली कालीनों के उत्पादन की देखरेख करता है। वह करघे (लूम) पर बुनकरों की टीम का मार्गदर्शन करता है, नक्शे (डिज़ाइन/मैप) के अनुसार सही गाँठ, रंग और घनत्व सुनिश्चित करता है,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6311

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

लूम सुपरवाइजर (नॉटेड कारपेट) हाथ से गाँठ बाँधकर बुनी जाने वाली कालीनों के उत्पादन की देखरेख करता है। वह करघे (लूम) पर बुनकरों की टीम का मार्गदर्शन करता है, नक्शे (डिज़ाइन/मैप) के अनुसार सही गाँठ, रंग और घनत्व सुनिश्चित करता है, गुणवत्ता व उत्पादकता की जाँच करता है और तय समय-सीमा में काम पूरा करवाता है। साथ ही वह कच्चे माल (ऊन/सिल्क), कार्यस्थल की सुरक्षा और संगठन की नीतियों का पालन देखता है। भदोही और जयपुर के कालीन बेल्ट तथा राजस्थान के गाँवों में यह भरोसे और कौशल वाला पर्यवेक्षण पद बुनकर से आगे बढ़ने का स्वाभाविक रास्ता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कक्षा 8 पास + कालीन बुनाई का अनुभव (एनएसक्यूएफ लेवल 5)
कोर्स अवधि	लगभग 3–6 माह (कौशल उन्नयन)
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	कालीन बुनाई इकाई/लूम पर पूर्णकालिक पर्यवेक्षण

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- हाथ की कारीगरी, बुनाई और कालीन के डिज़ाइन-पैटर्न में रुचि
- गुणवत्ता, रंग और बारीकी पर ध्यान देना पसंद
- टीम का नेतृत्व और लोगों को सिखाने-सँभालने में रुचि

क्षमताएँ

- अच्छा संचार कौशल और टीम में काम करने की क्षमता
- कलात्मक अभिवृत्ति और रंग-डिज़ाइन की समझ
- समय व उत्पादन का प्रबंधन और नज़र-परख (गुणवत्ता जाँच)

ज़रूरी कौशल

- नॉटेड (गाँठदार) कालीन की बुनाई तकनीक और गाँठों की गहरी समझ
- डिज़ाइन/नक्शा (मैप) पढ़ना और बुनकरों को समझाना

- गुणवत्ता जाँच — गाँठ घनत्व, रंग मिलान और फिनिशिंग
- उत्पादन योजना, समय-सीमा और उत्पादकता का प्रबंधन
- बुनकरों की टीम का पर्यवेक्षण, प्रशिक्षण और समन्वय
- कच्चे माल (ऊन/सिल्क) व औज़ारों का हिसाब और कार्यस्थल सुरक्षा

4 कैसे पहुँचें

1. कम से कम कक्षा 8 पूरी करें और कालीन बुनाई में कुछ वर्षों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें।
2. हैंडीक्राफ्ट्स एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल (HCSSC)/एनएसडीसी के 'लूम सुपरवाइजर – नॉटेड कारपेट' एनएसक्यूएफ लेवल 5 कोर्स में नामांकन करें।
3. नक्शा (डिज़ाइन मैप) पढ़ना, गाँठ घनत्व और रंग-गुणवत्ता जाँच का अभ्यास करें।
4. जयपुर/भदोही की कालीन इकाई या जयपुर रग्स जैसी कंपनी में बुनकर से सहायक पर्यवेक्षक के रूप में अनुभव लें।
5. अनुभव के साथ लूम सुपरवाइजर बनें और आगे प्रोसेस/प्रोडक्शन सुपरवाइजर व मैनेजर तक बढ़ें।
6. राजस्थान में आरएसएलडीसी/पीएमकेवीवाई केंद्रों से भी प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता ली जा सकती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- HCSSC/एनएसडीसी द्वारा ट्रेड मूल्यांकन एवं प्रमाणन परीक्षा (एनएसक्यूएफ लेवल 5)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – प्रशिक्षण केंद्र खोजें — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://www.nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre)
- जन शिक्षण संस्थान (JSS) — राजस्थान के विभिन्न जिले (https://nsdcindia.org/find-nsdc-training-centre-jss/)
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी (IICT) — भदोही, उत्तर प्रदेश (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार) (https://www.iict.ac.in/)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- जयपुर रग्स फाउंडेशन (बुनकर प्रशिक्षण) — जयपुर व राजस्थान के गाँव (https://www.jaipurrugs.org/)
- Handicrafts & Carpet Sector Skill Council (HCSSC) – संबद्ध प्रशिक्षण केंद्र — अखिल भारतीय (कालीन बेल्ट) (https://hcssc.in/)

- Carpet Export Promotion Council (CEPC) – कौशल विकास — नई दिल्ली / भदोही (https://www.cepc.co.in/services/welfare-activities)

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- HCSSC – QP/NOS व फैसिलिटेटर गाइड (कालीन बुनकर) — ऑनलाइन (https://hcssc.in/qp-nos/)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, जेएसएस, आरएसएलडीसी, पीएमकेवीवाई) के तहत यह कालीन कौशल प्रशिक्षण मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अल्पकालिक कालीन/डिज़ाइन कोर्स की फीस लगभग ₹5,000–20,000 तक हो सकती है; आईआईसीटी भदोही के बी.टेक जैसे डिग्री कोर्स की फीस अलग होती है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

कालीन बुनाई कंपनियां और निर्यातक, हस्तनिर्मित कालीन इकाइयाँ, जयपुर व भदोही के कालीन क्लस्टर, तथा राजस्थान के गाँवों में लगे करघे।

कार्य-संस्कृति

एक सामान्य कार्यदिवस 8–9 घंटे और सप्ताह में लगभग 6 दिन का होता है; कभी-कभी शिफ्ट में काम करना पड़ सकता है। काम मुख्यतः लूम शेड में खड़े/बैठे होता है और बुनकरों के साथ लगातार संवाद रहता है। महिलाओं और गाँव के कारीगरों के लिए यह क्षेत्र सशक्तिकरण के अच्छे अवसर देता है।

कौन नौकरी देता है

- जयपुर रग्स (जयपुर, राजस्थान) – अग्रणी हस्तनिर्मित कालीन कंपनी
- जयपुर लिविंग (Jaipur Living) और अन्य कालीन निर्यातक ब्रांड
- हस्तशिल्प/कालीन सहकारी समितियाँ और स्वयं-सहायता समूह
- ओबीटी (Obeetee), भदोही – 100+ वर्ष पुरानी कालीन निर्माता व निर्यातक
- भदोही व जयपुर कालीन क्लस्टर की निर्यातक इकाइयाँ (CEPC सदस्य)
- कालीन डिज़ाइन स्टूडियो और गुणवत्ता/उत्पादन सेवा फर्में

माँग (2026)

भारत हस्तनिर्मित कालीनों का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है और भदोही-जयपुर बेल्ट में लाखों बुनकर कार्यरत हैं। निर्यात की माँग और गुणवत्ता की अपेक्षाएँ बढ़ने से कुशल लूम सुपरवाइजर की ज़रूरत बनी रहती है, क्योंकि हर बड़ी बुनाई इकाई को गुणवत्ता और उत्पादकता संभालने के लिए अनुभवी पर्यवेक्षक चाहिए। यह अनुभवी बुनकरों के लिए स्थिर और सम्मानजनक तरक्की का रास्ता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. कालीन बुनकर (नॉटेड कारपेट)
2. लूम सुपरवाइजर (नॉटेड कारपेट)
3. प्रोसेस / प्रोडक्शन सुपरवाइजर
4. प्रोडक्शन मैनेजर / प्लांट मैनेजर

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹18,000–26,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹30,000–45,000+/माह

सैलरीएक्सपर्ट के अनुसार भारत में कालीन बुनकर की औसत आय लगभग ₹26,000/माह (₹3.15 लाख/वर्ष) है, और पेस्केल के अनुसार प्रोडक्शन सुपरवाइजर की औसत आय लगभग ₹3.19 लाख/वर्ष है। शुरुआती लूम सुपरवाइजर की आय कम रहती है, पर अनुभव व निर्यात इकाई में प्रोडक्शन मैनेजर बनने पर आय काफी बढ़ जाती है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- बुनकर से आगे बढ़कर सम्मानजनक पर्यवेक्षण और नेतृत्व पद
- भारत की अग्रणी निर्यात कालीन इंडस्ट्री में स्थिर रोज़गार, राजस्थान में मज़बूत आधार
- महिलाओं व ग्रामीण कारीगरों के लिए सशक्तिकरण और तरक्की के अवसर

चुनौतियाँ

- गुणवत्ता और उत्पादन समय-सीमा पूरी करने की जवाबदेही व दबाव
- लंबे घंटे, लूम शेड में धूल/ऊन के रेशे और शारीरिक थकान
- शुरुआती स्तर पर वेतन सीमित; निर्यात माँग पर निर्भरता

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Harphool
बुनकर से क्वालिटी सुपरवाइजर व ब्रांच मैनेजर, जयपुर रग्स (ढनोता, शाहपुरा तहसील, जयपुर)

जयपुर ज़िले की शाहपुरा तहसील के ढनोता गाँव के हरफूल चौथी पीढ़ी के बुनकर हैं। उन्होंने करघे पर बुनाई से शुरुआत की, फिर अपनी लगन और गुणवत्ता की समझ से क्वालिटी सुपरवाइजर बने और आगे बढ़कर जयपुर रग्स के ब्रांच मैनेजर बन गए, जहाँ वे 42 गाँवों में फैले काम की देखरेख करते हैं और नए कारीगरों को मैनेजर व उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। उनकी कहानी दिखाती है कि एक साधारण बुनकर भी कौशल और नेतृत्व के दम पर लूम सुपरवाइजर से प्रोडक्शन मैनेजर तक का सफ़र तय कर सकता है।

Outlook Traveller · https://www.outlooktraveller.com/experiences/heritage/threads-of-transformation

Prem Devi
बुनकर सखी (क्वालिटी सुपरवाइजर), जयपुर रग्स (आसपुरा गाँव, जयपुर के पास)

जयपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर आसपुरा गाँव की प्रेम देवी एक झिझकती कारीगर से 'बुनकर सखी' यानी अनुभवी पर्यवेक्षक बनीं। जयपुर रग्स के साथ काम करते हुए वे आज लगभग 100 महिला बुनकरों की गुणवत्ता और काम की देखरेख करती हैं, और अपने काम के सिलसिले में दिल्ली, मुंबई व गोवा तक की यात्रा कर चुकी हैं तथा मंच पर अपनी कहानी साझा कर चुकी हैं। वे कहती हैं कि जयपुर रग्स के साथ काम ने उनकी ज़िंदगी की दिशा बदल दी — यह हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो कालीन बुनाई में पर्यवेक्षक और नेता बनना चाहती है।

Outlook Traveller · https://www.outlooktraveller.com/experiences/heritage/threads-of-transformation

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – लूम सुपरवाइजर (नॉटेड कारपेट) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%b2%e0%a5%82%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%87%e0%a4%9c%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a5%89%e0%a4%9f%e0%a5%87%e0%a4%a1-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%aa/

2. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपेट टेक्नोलॉजी, भदोही — https://www.iict.ac.in/

3. हैंडीक्राफ्ट्स एंड कारपेट सेक्टर स्किल काउंसिल (HCSSC) – QP/NOS — https://hcssc.in/qp-nos/

4. सैलरीएक्सपर्ट – कालीन बुनकर वेतन (भारत) — https://www.salaryexpert.com/salary/job/carpet-weaver/india

5. पेस्केल – प्रोडक्शन सुपरवाइजर वेतन (भारत) — https://www.payscale.com/research/IN/Job=Production_Supervisor/Salary

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in